# यूजीनिक्स द्वारा गंभीर रूप से लुप्तप्राय गायें

यदि डायरी गायें जंगली जानवर होतीं, तो उन्हें गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों की श्रेणी में रखा जाता। अमेरिका में 180,000 डेयरी गायों में से केवल 1 ही आनुवंशिक रूप से भिन्न है। बाकी सब सीधे भाई-बहन की तरह हैं।

यह लेख यूजीनिक्स के विरुद्ध "*अंत:प्रजनन तर्क*" के लिए एक दार्शनिक मामला प्रदान करता है।

*16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित*

जीएमओ बहस
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

## सामग्री तालिका (टीओसी)

1. 🐄 गायें गंभीर रूप से संकटग्रस्त
   - 🐮 आनुवंशिक दृष्टिकोण से केवल 50 गायें जीवित हैं
2. 🐮 इनब्रीडिंग का सार
   - 🙃 "जैसे किसी का सिर किसी की गुदा में घुसेड़ना"
3. गायों की रक्षा कौन करेगा?
   - 🛡️ प्रकृति की रक्षा कौन करेगा?

# यूजीनिक्स द्वारा गंभीर रूप से लुप्तप्राय गायें

*“मैदान में कितनी गायें हैं? आनुवंशिकी के अनुसार 180,000 में सिर्फ 1!”*

जैव विविधता के बारे में हमारी समझ को चुनौती देने वाले एक चौंकाने वाले खुलासे में, आनुवंशिक विश्लेषण ने एक गंभीर खतरे को उजागर किया है जो केवल संख्या के कारण छिपा हुआ है। जबकि 9 मिलियन गायें संयुक्त राज्य अमेरिका के चरागाहों में घूमती हैं, आनुवंशिक दृष्टिकोण से, प्रभावी रूप से **केवल 50 गायें जीवित** हैं।

> *Chad Dechow - डेयरी मवेशी आनुवंशिकी के एक एसोसिएट प्रोफेसर - और अन्य कहते हैं कि गायों में इतनी अधिक आनुवंशिक समानता है, प्रभावी जनसंख्या का आकार 50 से भी कम है। अगर गाय जंगली जानवर होतीं, तो उन्हें **गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों** की श्रेणी में रखा जाता।*
>
>
>
> *मिनेसोटा विश्वविद्यालय में गाय विशेषज्ञ और प्रोफेसर Leslie B. Hansen कहते हैं कि “यह एक बहुत बड़ा इनब्रीड परिवार है” । इनब्रीडिंग से प्रजनन दर प्रभावित होती है, और पहले से ही गाय की प्रजनन क्षमता में काफी गिरावट आई है। साथ ही, जब करीबी रिश्तेदारों का प्रजनन होता है, तो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं छिपी हो सकती हैं।*
>
> (2021) **जिस तरह से हम गायों का प्रजनन करते हैं, वह उन्हें विलुप्त होने के लिए तैयार कर रहा है**
> स्रोत: क्वार्ट्ज (पीडीएफ बैकअप)

अमेरिकी मवेशी प्रजनन में यूजेनिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग, जिसका उद्देश्य वांछनीय गुणों को अधिकतम करना है, ने अनजाने में आनुवंशिक विविधता के विनाशकारी नुकसान को जन्म दिया है। गोजातीय जीनोम का यह समरूपीकरण उद्योग के लिए एक टिक-टिक करने वाला टाइम बम है और यूजेनिक सोच में निहित व्यापक खतरों का एक मार्मिक चित्रण है। जैसा कि हम पता लगाएंगे, मवेशी प्रजनन में यह केस स्टडी रिडक्टिव वैज्ञानिक साधनों के माध्यम से प्रकृति को *“बेहतर बनाने”* के प्रयास के व्यापक दार्शनिक और व्यावहारिक नुकसान के लिए एक सूक्ष्म जगत के रूप में कार्य करती है।

अध्याय 2.

# यूजीनिक्स के विरुद्ध “इनब्रीडिंग” तर्क

यूजीनिक्स लेख ने प्रदर्शित किया है कि यूजीनिक्स को प्रकृति के अपने दृष्टिकोण से **प्रकृति का भ्रष्टाचार** माना जा सकता है। बाह्य, मानव-केंद्रित लेंस के माध्यम से विकास को निर्देशित करने का प्रयास करके, यूजीनिक्स उन आंतरिक प्रक्रियाओं के विपरीत चलता है जो ∞ समय में लचीलापन और ताकत को बढ़ावा देती हैं।

प्राकृतिक विकास की विविधता चाहने वाली प्रवृत्तियों के विपरीत, जो लचीलापन और ताकत को बढ़ावा देती हैं, यूजीनिक्स समय के अनंत महासागर के संदर्भ में “*अंदर की ओर*” बढ़ता है। यह आंतरिक आंदोलन एक मौलिक पलायन प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है, प्रकृति की मौलिक अनिश्चितता से एक निश्चित अनुभवजन्य क्षेत्र में वापसी। हालाँकि, यह वापसी अंततः आत्म-पराजय है, क्योंकि यह मानवता की दिशा को 🧭 नैतिक भविष्य के बजाय अतीत के साथ जोड़ती है।

> *सबके लिए सुनहरे बाल और नीली आंखें*
>
> *आदर्शलोक*

सुजननिकी, अपने मूल में, अंत:प्रजनन के सार पर आधारित है, जो कमजोरी और घातक समस्याओं का कारण माना जाता है।

*“जीवन को जीवन के रूप में ऊपर खड़ा करने का प्रयास, एक आलंकारिक पत्थर के रूप में परिणत होता है जो ∞ समय के अनंत सागर में डूब जाता है।”*

यह गहन कथन युजनिक्स के मूल में विरोधाभास को दर्शाता है। जब विज्ञान, अपने अंतर्निहित ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के साथ, जीवन और विकास के लिए **मार्गदर्शक सिद्धांत** की स्थिति में ऊंचा हो जाता है, तो मानवता रूपक रूप से अपने सिर को अपने गुदा में डाल देती है। यह आत्म-संदर्भित लूप इनब्रीडिंग के समान स्थिति बनाता है, जहां जीन पूल तेजी से सीमित और कमजोर हो जाता है।

विज्ञान का परिणाम मूलतः ऐतिहासिक होता है, जो अतीत के अवलोकनों और डेटा पर आधारित परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। जब इस पिछड़े दृष्टिकोण का उपयोग भविष्य के विकास को निर्देशित करने के लिए किया जाता है, तो यह ∞ समय में लचीलेपन और ताकत के लिए आवश्यक दूरदर्शी, नैतिकता-आधारित दृष्टिकोण के साथ एक बेमेल बनाता है।

मूल रूप से, सुजनन विज्ञान निश्चितता की एक हठधर्मी धारणा पर निर्भर करता है - *एकरूपतावाद* में विश्वास। यह अनुचित निश्चितता, जैसा कि अध्याय एकरूपतावाद में आगे बताया गया है, वही है जो वैज्ञानिकता को नैतिकता से ऊपर वैज्ञानिक हितों को रखने की अनुमति देती है। हालाँकि, ∞ समय के अनंत दायरे के सामने, ऐसी निश्चितता न केवल गलत है बल्कि संभावित रूप से विनाशकारी है।

निष्कर्ष रूप में, स्वयं जीवन होते हुए भी जीवन से ऊपर खड़े होने का प्रयास करके, सुजनन विज्ञान एक आत्म-संदर्भित चक्र बनाता है, जो अंत:प्रजनन की तरह, शक्ति और लचीलेपन के बजाय कमजोरी को बढ़ाता है।

# गायों की रक्षा कौन करेगा?

सुजनन विज्ञान की मूलभूत बौद्धिक खामियों को दूर करना मुश्किल है, खासकर जब यह व्यावहारिक बचाव से संबंधित हो। सुजनन विज्ञान के खिलाफ बचाव को स्पष्ट करने में यह कठिनाई बताती है कि प्रकृति और जानवरों के कई समर्थक बौद्धिक रूप से पीछे हट जाते हैं और सुजनन विज्ञान के मामले में '*चुप*' हो जाते हैं।

- अध्याय "विज्ञान और नैतिकता से मुक्त होने का प्रयास ने" विज्ञान द्वारा दर्शनशास्त्र से स्वयं को मुक्त करने के लिए सदियों से जारी प्रयास को प्रदर्शित किया।
- अध्याय "यूनिफॉर्मिटेरियनिज्म: सुजननिक्स के पीछे का सिद्धांत" इस धारणा के अंतर्गत निहित हठधर्मी भ्रांति को उजागर करता है कि वैज्ञानिक तथ्य दर्शन के बिना भी वैध हैं।
- अध्याय "🧭 'विज्ञान जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है?' में" यह बताया गया है कि विज्ञान जीवन के लिए **मार्गदर्शक सिद्धांत** के रूप में क्यों काम नहीं कर सकता है।

*"🐮 गायों को युजनिक्स से कौन बचाएगा?"*

अपनी अंतर्दृष्टि और टिप्पणियाँ info@gmodebate.org पर हमारे साथ साझा करें।

*16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित*

जीएमओ बहस
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

© 2024 Philosophical.Ventures Inc.